ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष -20 अंक -4 मई-II-2019 (पाक्षिक) माउण्ट आबू Rs. -10.00

ब्रह्माकुमारी संस्थान के अंतर्राष्ट्रीय कार्यकारिणी की मीटिंग...

वार्षिक सेवाओं की रूपरेखा पर हुआ गहन चिंतन

बैठक के दौरान मंचासीन राजयोगिनी दादी जानकी के साथ सम्बोधित करते हुए राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी। साथ हैं राजयोगी ब्र.कु. निर्वैर, राजयोगी ब्र.कु. बृजमोहन तथा ब्र.कु. हंसा।

शांतिवन। ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा वर्ष भर में देश विदेश में आयोजित होने वाले सामाजिक सरोकारों से सम्बन्धित कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाने तथा उसे ज़मीनी स्तर पर उतारने के लिए ब्रह्माकुमारी संस्थान की पाँच दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के दौरान संस्थान की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने कहा कि हमारा प्रयास है कि इस वर्ष भारत का कोई भी कोना आध्यात्मिकता के बीज से अछूता ना रहे। इसके लिए व्यापक रूप में ऐसी योजनाएं बनायी जाएं जो प्रत्येक व्यक्ति तक आध्यात्मिक सशक्तिकरण के साथ भौतिक तरक्की का रास्ता खुल सके। अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि युवा जागेगा तो देश जग जायेगा। इसके लिये विश्व व्यापी अभियान चलाया जाये ताकि लोगों में और खासकर युवाओं में एक रुझान पैदा हो सके।

संस्था के महासचिव ब्र.कु. निर्वैर ने कहा कि हमारा प्रयास है कि शहर से लेकर गांव के अंतिम व्यक्ति तक परमात्म संदेश पहुंचाया जाये। ब्रह्माकुमारीज़ के अतिरिक्त महासचिव ब्र.कु. बृजमोहन ने कहा कि आज विश्व में गिरते मूल्यों को पुनः स्थापित करना, ये बहुत बड़ी चुनौति है। इसके लिए हमें प्रयास करना होगा। कार्यक्रम में सभी प्रभागों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय संयोजक, मुख्यालय संयोजक, ज़ोन-सब ज़ोन प्रभारी, मुख्य सेवाकेन्द्रों के प्रभारियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष ब्र.कु. करुणा, कार्यकारी सचिव ब्र.कु. मृत्युंजय, ब्र.कु. अमीरचन्द, शांतिवन प्रबन्धक ब्र.कु. भूपाल, ब्र.कु. आत्म प्रकाश, ब्र.कु. भरत, कार्यक्रम प्रबन्धिका ब्र.कु. मुन्नी, फ्यूचर ऑफ पावर के निदेशक केन्या के निज़ार जुमा, आन्ध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश वी.ईश्वरैय्या, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस बी.डी. राठी, पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी सीताराम मीना, उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि निदेशक बदरी विशाल तिवारी, ऑस्ट्रेलिया के पर्यावरणविद गोलो पिल्स समेत बड़ी संख्या में समर्पित रूप से विश्व के उत्थान के लिए कार्य करने वाले राजयोगी भाई बहनें उपस्थित रहे।

इन विषयों पर हुई व्यापक चर्चा

जैविक यौगिक खेती, नशामुक्ति, जल संवर्धन, पर्यावरण संरक्षण, अध्यात्म जागृति, कुरीति उन्मूलन, युवाओं में मूल्यों का समावेश, प्रशासकीय कार्यशाला, न्यायविदों के साथ राजनीतिज्ञों के लिए देशभर में राष्ट्रीय सम्मेलन, बेटी बचाओ-सशक्त बनाओ, आपदा प्रबन्धन, अहिंसा तथा सामाजिक समरसता।

कार्यक्रम में ब्र.कु. अवधेश बहन के साथ दीप प्रज्वलित करते हुए अतिथि तथा अन्य ब्र.कु. बहनें।

अच्छाई के साथ सच्चाई को चुनना सिखाती है गीता

- ईश्वरीय सेवाओं के स्वर्ण जयंती महोत्सव पर श्रीमद्भगवद्गीता महासम्मेलन का सुंदर आयोजन
- गीता के माध्यम से जीवनशैली के ऊपर हुई अद्भुत चर्चा

भोपाल-म.प्र.। आज हर व्यक्ति हर चीज़ को जीतना चाहता है, जबकि हमें हर पल को जीने की कोशिश करनी चाहिए। भगवान ने गीता में अर्जुन को कहा था कि ज़िंदगी में जीतना नहीं बल्कि जीना है। परमात्मा ने अर्जुन को गीता में कभी यह नहीं कहा कि तुम किसी को मारो, बल्कि उन्होंने यह कहा कि युद्ध के लिए तैयार रहना है। जीवन में अच्छाई के साथ सच्चाई को चुनना सिखाती है गीता। उक्त विचार कर्नाटक से आईं ब्र.कु. वीणा ने ब्रह्माकुमारीज़ भोपाल के पाँच दिवसीय स्वर्ण जयंती महोत्सव के समापन समारोह में आयोजित गीता महासम्मेलन में व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि गीता जीवन जीने का एक रास्ता है। वर्तमान समय में धर्म क्षेत्र और कर्म क्षेत्र को एकाकार करने की ज़रूरत है। कोई भी काम हम करते हैं, उसे भगवान का कार्य समझकर करना चाहिए। केवल गीता सुनने से या गीता पढ़ने मात्र से हमारा कल्याण नहीं होगा। बल्कि गीता में बताई गई श्रीमत को अपने जीवन में अपनाना होगा और खुद गीता बनना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि गीता हमारा परमात्मा से सीधा सम्बंध जोड़ती है। गीता में ही राजयोग का वर्णन है। गीता हमारी काउंसलिंग करती है। अगर हम गीता को ध्यान से पढ़ते हैं और जीवन में धारण करते हैं तो हमें किसी काउंसलर की आवश्यकता नहीं पड़ेगी और हमारा जीवन सुख-शांति से सम्पन्न रहेगा। गीता महासम्मेलन में अतिथि के रूप में ब्रह्माकुमारीज़ की क्षेत्रीय निदेशिका ब्र.कु. अवधेश, ब्र.कु. दुर्गेश नंदिनी, विधानसभा के प्रमुख सचिव अवधेश प्रताप सिंह, भारतीय वन सेवा के अधिकारी शरद गौर, सीपी मुरसेनिया तथा अन्य ब्र.कु. भाई बहनें उपस्थित रहे।

जीवन का उद्देश्य धन कमाना ही नहीं बल्कि दुआएं कमाना भी

व्यापारियों एवं उद्योगपतियों के लिए दो दिवसीय सम्मेलन

ओ.आर.सी.। ब्रह्माकुमारीज़ के ओम शांति रिट्रीट सेंटर में व्यापारियों एवं उद्योगपतियों के लिए आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम में व्यापार एवं उद्योग क्षेत्र से जुड़े अनेक लोगों ने अनुभव किया कि वर्तमान परिदृश्य में जीवन में संतुलन स्थापन करने के लिए योग ज़रूरी है।

इस अवसर पर विशेष रूप से सुप्रसिद्ध जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा ब्र.कु. शिवानी ने अपने सम्बोधन में कहा कि हम जो धन कमाते हैं उसका सात्विक होना ज़रूरी है। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य मात्र धन कमाना नहीं बल्कि दुआएं कमाना होना चाहिए। जो धन कमाता है ये ज़रूरी नहीं कि वो दुआएं भी कमाता है। लेकिन जो दुआएं कमाता है वो अपनी क्षमता से भी अधिक धन कमाता है। उन्होंने कहा कि जितना हम अपने फायदे से अधिक दूसरे का फायदा देखते हैं, उतनी ही अधिक हमें दुआएं मिलती हैं। जीवन में सदा दूसरों को देने की भावना से ही खुशियों का संचार होता है। उन्होंने बताया कि राजयोग हमें स्वयं के स्वाभाविक स्वरूप की ओर ले जाता है। हमारा स्वाभाविक स्वरूप वास्तव में शांति, प्रेम, और आनन्द से भरपूर है। जीवन में कभी भी दूसरों को कंट्रोल करने की कोशिश न करें। हम केवल अपने को ही कंट्रोल कर सकते हैं। जितना हम स्वयं को संयम और नियम से चलाते हैं उतनी ही चीज़ें हमारे कन्ट्रोल में आने लगती हैं।

ब्र.कु. राधिका,हैदराबाद ने कहा कि वास्तव में मानव अपेक्षाओं और उपेक्षाओं के शिकार होने के कारण ही दुःखी हैं। उन्होंने कहा कि जैसे हमारे विचार होते हैं, हम दूसरों को भी वैसा ही देखते हैं। दूसरों के साथ व्यवहार में आते समय हमें केवल उनकी अच्छाइयों पर ही ध्यान देना चाहिए। परिस्थिति कैसी भी हो लेकिन अपने सकारात्मक दृष्टिकोण से ही हम उसका सामना कर सकते हैं। ब्र.कु. दीपा,मुम्बई ने कहा कि हमारे अंदर का संसार जितना अच्छा होगा, उतना ही अच्छा हमारा बाहरी संसार होगा। दो दिवसीय इस कार्यक्रम में लोगों को योग पर गहरी जानकारी दी गई, साथ-साथ गहन अनुभव भी कराया गया। इस अवसर पर अनेक वक्ताओं ने स्वयं के अनुभवों को भी साझा किया। कार्यक्रम में आये हुए अनेक लोगों ने अपने अनुभव साझा करते हुए योग को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने की प्रतिज्ञा की।

कार्यक्रम के पश्चात् चित्र में ब्र.कु. आशा, ब्र.कु. शिवानी, ब्र.कु. योगिनी, ब्र.कु. उषा, ब्र.कु. राधिका, ब्र.कु. दीपा तथा अन्य वक्तागणों के साथ जनसमूह।